RAJYA SABHA

Monday, the 6th September, 1965/the 15th Bhadra, 1887 (Saka)

The House met at eleven of the clock. MR. CHAIRMAN in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

मरुस्थल विकास बोर्ड की स्थापना

*415. श्री भगवत नारायण भार्गव : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार का विचार एक मरुस्थल विकास बोर्ड स्थापित करने का है और यदि हां, तो इसका गठन तथा कार्य क्षेत्र क्या होगा ?

†[SETTING UP OF DESERT DEVELOPMENT BOARD

*415. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state whether Government propose to set up a Desert Development Board and if so, what would be its composition and scope?]

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI SHAH NAWAZ KHAN): Yes, Sir. The Planning Commission have already approved of the proposal to set up a Desert Development Board. Detail of the proposal are at present being worked out in consultation with the Ministry of Finance. The Board is expected to be set up before the end of 1965.

‡[खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) : जी हां । योजना आयोग मरुस्थल विकास बोर्ड की स्थापना के प्रस्ताव को स्वीकार कर चुका है । वित्त मंत्रालय के परामर्श से प्रस्ताव का ब्योरा तैयार किया जा रहा है । आशा है 1965 के अन्त से पहले ही बोर्ड की स्थापना हो जायेगी ।]

श्री भगवत नारायण भार्गव : तीसरी पंचवर्षीय योजना के काल में राजस्थान के बढ़ते हुए रेगिस्तान के लिए क्या क्या उपाय सरकार ने किए और उनको कितनी सफलता मिली ?

श्री शाहनवाज खां : सबसे पहले तो मैं इस बात से इन्कार करना चाहता हूं कि राजस्थान का रेगिस्तान बढ़ रहा है । जो हमारे एक्सपर्ट्स ने तजुर्बात किए हैं उनसे यह जाहिर नहीं होता कि रेगिस्तान बढ़ रहा है । हमने कुछ तजुर्बे एरिड जोन रिसर्च सेन्टर, जोधपुर में किए हैं । जो मूविंग सेन्ड ड्यूनस हैं, हरकत करने वाली रेत की ढेरियां हैं, उनको स्टेबिलाइज करने के लिए उनके ऊपर झाड़ वगैरह लगाने के लिए तजुर्बे किए जायेंगे ।

श्री भगवत नारायण भार्गव : क्या मंत्री महोदय को मालूम है कि आगरा, मथुरा की तरफ भी रेगिस्तान बढ़ रहा है ।

श्री शाहनवाज खां : रेगिस्तान बढ़ नहीं रहा है । रेगिस्तान जहां है वहीं है ।

श्री राम सहाय : क्या मैं मंत्री महोदय से जान सकूंगा कि अब जो बोर्ड कायम कर रहे हैं उसके काम में चम्बल के बीहड़ों को भी शामिल करने का प्रयत्न करेंगे ।

श्री शाहनवाज खां : चम्बल की रेवीन्स इससे अलाहिदा हैं । उनके लिए अलाहिदा काम होगा ।

श्री राम सहाय : उनके बारे में क्या करने जा रहे हैं ?

श्री शाहनवाज खां : उसके लिए एक कमेटी बना दी गई है जो रेवीन रिक्लेमेशन का काम देखेगी ।

†[ ] English translation.
‡[ ] Hindi translation.

SHRI D. THENGARI: In this respect, are we securing co-operation regarding technical know-how from any other country like France?

SHRI SHAH NAWAZ KHAN: Yes, Sir. We are making every endeavour to obtain the best technical know-how and only recently a Seminar was held at Jodhpur where experts from all over the world were invited to give their views on it.

SHRI B. K. P. SINHA: May I know what will be the functions of this Desert Development Board and how the functions and duties of this Board and those of the State Governments in the particular field in which this Board operates will be adjusted, because most of the work of the Desert Development Board really concerns the powers and duties of the State Governments?

SHRI SHAH NAWAZ KHAN: Sir, the actual work that will be done by the Board will be to keep under review the preparation of schemes for the development of desert areas, to execute such schemes through the State agencies, to remove administrative and financial bottle-necks holding up the progress of these schemes and to ensure that the desert areas of the country receive the attention that they deserve.

SHRI ARJUN ARORA: May I know what is the best expert advice in the eyes of the Govtrnment? The Minister said that a Seminar was held to find out the best expert advice. What was the result of that Seminar and what, according to the Government, is the best expert advice?

SHRI SHAH NAWAZ KHAN: Sir, experts from all the countries which had been dealing with the problem of controlling deserts and making use of the deserts, all those experts were invited and they had a very full and frank discussion for a number of days and the recommendations of that Seminar are now receiving the attention of the Government—how best to implement them.

श्री देवी सिंह : राजस्थान का रेगिस्तान सैकड़ों मील लम्बा है । सरकार ने कहीं एक मील का टुकड़ा बनाया है, कहीं आधा मील का, और समझते हैं कि इतने छोटे-छोटे टुकड़ों से सैकड़ों मील का रेगिस्तान रुक जायगा ?

श्री सभापति : शायद आप यही समझते हैं ?

श्री शाहनवाज खां : मैंने यह तो नहीं कहा कि रेगिस्तान रोक दिया गया, लेकिन जो हमारे तजुर्बात हैं उनसे पता चलता है कि रेगिस्तान कोई आगे नहीं बढ़ रहा है । इसके अलावा जो मूविंग सैन्ड ड्यून्स हैं उनको स्टैबिलाइज करने का प्रोग्राम है । उस पर कुछ तजुर्बे किए हैं जो पुर-उम्मीद हैं ।

NEW SUGAR FACTORIES

*416. SHRI DEOKINANDAN NARAYAN: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) how many new sugar factories have recently been licenced and of what capacity;

(b) how many of them are being established in the co-operative sector; and

(c) how many of them are likely to start production in 1965 and in 1966?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI D. R. CHAVAN): (a) Letters of intent have been issued in August, 1965 for the establishment of 9 new sugar factories in different States with a daily cane-crushing capacity of 1250 tonnes each.

(b) Eight.

(c) None.

SHRI DEOKINANDAN NARAYAN: May I know how many applications for licence were received from the private sector and how many from the co-operative sector?